अनुदान निम्नलिखित कारणों से रोक दिए गए हैं ।

(i) पोषाहार कार्यक्रम : अद्यतन निरीक्षण रिपोर्ट अच्छी नहीं थी तथा रिपोर्ट में दिए गए सुझावों पर संस्थान से मानदण्डों के अनुसार कार्यक्रम चलाने के लिए कहा गया था ।

(ii) संक्षिप्त पाठ्यक्रम : संस्थान उम्मीदवारों का चयन करने के लिए निरन्तर इन्कार कर रहा है जो कि अनुदान दिए जाने के लिए एक अनिवार्य पूर्वेपिक्षा है ।

(ग) और (घ) जब और जैसे ही अपेक्षित शर्तों को पूरा कर दिया जाता हैं, अनुदान दे दिया जाएगा ।

श्रीलंका सरकार द्वारा निरुद्ध किये गये भारतीय

2387. **श्री राम नरेश यादव :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) श्रीलंका की सरकार द्वारा भारतीय मूल के कितने तमिलों को निरुद्ध किया गया और उनमें से कितनों को रिहा कर दिया गया है ;

(ख) शेष व्यक्तियों को रिहा न किए जाने के क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या सरकार उनकी रिहाई के के लिए बातचीत द्वारा पहल करने का विचार रखती है ?

विदेश मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) : (क) से (ग) श्रीलंका सरकार ने तमिलों का विभिन्न श्रेणियों में राजनैतिक बंदियों का ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है । तथापि यह समझा जाता है कि उन तमिल राजनैतिक बंदियों में से जिन्हें भारत-श्रीलंका समझौता होने के बाद रिहा किया गया था, अधिकांश बंदी श्रीलका के तमिल थे, न कि हाल ही के भारतीय मूल के तमिल, जिनका उल्लेख कि "भारतीय तमिलों" के रूप में भी किया जाता है । सरकार भारत-श्रीलंका समझौते का समर्थन करने वाले शेष राजनैतिक बंदियों की रिहाई के लिए श्रीलंका सरकार से बराबर सम्पर्क बनाए हुए हैं ।

ड्राइंग अध्यापकों के वेतनमानों का ग्रेड बढ़ाया जाना

2388. **श्री सोहन लाल धूसिया :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आदेश सं० ए-11014/126/76 यू० टी० आई० (स्कूल-6) द्वारा दिल्ली में सरकारी विद्यालयों के ड्राइंग अध्यापकों के वेतनमानों का दर्जा, पूर्व ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा पूरी करने की शर्त पूरी होने पर 27-7-78 से 425-640 रुपए से बढाकर 440-750 रुपए कर दिया गया था और इन अध्यापकों के कर्तव्यों तथा जिम्मेदारियों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी ;

(ख) क्या इस वेतनमान के पुनरीक्षण से पूर्व, ऐसे अध्यापकों की कनिष्ट श्रेणी में भर्ती हेतु अपेक्षित अर्हता में मात्र 3 वर्ष की सेवा का अन्तर था ;

(ग) क्या इन अध्यापकों द्वारा 3 वर्ष की सेवा पूरी करने की तारीख से उन्हें 440-750 रुपए का वेतनमान देना उचित नहीं होगा, चाहे वह मात्र सैद्धांतिक रूप से ही दिया जाए ;

(घ) क्या दिल्ली प्रशासन द्वारा इस संबंध में 1978 में की गई, सिफारिश के बावजूद, इस न्यायोचित मांग को अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और सरकार अध्यापकों में व्याप्त असंतोष को दूर करने के लिए इस मांग को कब तक स्वीकार करने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साहो) : (क) जी, हां ।

(ख) वर्ष 1978 में वेतनमानों को अद्यतन करने से पूर्व, ग्रेड-II और III में ड्राइंग शिक्षकों के संवर्ग अलग वरिष्ठता सूचियों और भर्ती नियमों से अलग किए गए थे । ग्रेड III के ऐसे ड्राइंग शिक्षकों को, जो 3 वर्ष की सेवा कर चुके थे, पदोन्नत करने के साथ-साथ ग्रेड-II में ड्राइंग शिक्षक सीधे ही भर्ती किए गए थे।

(ग) से (ङ) दिनांक 27-7-78 के पत्र सं० ए० 11014/26/76-यू०टी० I (स्कूल-6) में निहित आदेशों के अनुसार, ड्राइंग शिक्षकों के पदों के विद्यमान पदधारी 3 वर्षों की सेवा को पूरा करने के बाद ड्राइंग शिक्षक ग्रेड- II के 440-750 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करने के पात्र होंगे । इन आदेशों को पूर्वव्यापी प्रभाव देने संबंधी मामले की सरकार द्वारा जांच की गई है और इससे सहमत होना सम्भव नहीं पाया गया है ।

Publication of books by the Bureau for promotion of Urdu

2389. DR. MOHD. HASHIM KIDWAI- Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what are the number of books published by the Bureau for promotion of Urdu during the years 1985, 1986 and 1987;

(b) what is the total number of copies of these books/pamphlet;

(c) what is the total number of copies of these books sold during these years;

(d) what amount of royalty paid to authors/translators of these books alongwith the date on which the royalty has been paid; and

(e) what is the number of authors/translators to whom rolyalty has not yet been paid alongwith the amount ol royalty?

THE MINISTER OF STATE EN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L.P. SHAHI): (a) to (c) Bureau has published 135 titles during the period (1985 to 1987) with a total print of 2,56,000 copies, out of which 61,693 were sold.

(d) and (e) Authors and translators of books in BPU are not paid royalty.

पंजाब के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की हड़ताल

2390. **श्री राम जेटमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पंजाब में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों ने अपनी कतिपय मांगों को मनवाने के लिए 20 नवम्बर, 1988 की हड़ताल घोषित कर दी है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इन शिक्षकों की मांगों पर विचार किया है, यदि हां, तो उनकी मांगों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार द्वारा उनकी मांगों को स्वीकार न किए जाने के क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

Changes planned in India's representation at U.N.

2391. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what changes are planned in India's representation at United Nations forums on peace and disarmament; and